Minister had called a meeting of all the Chief Ministers, and they also gave their recommendations. So, almost everything is ready, 90 to 95 per cent of the recommendations are ready. I would like to know what exactly the thinking of the Government is.

SHRI IK. GUJRAL: Sir, I am glad that the hon. former Home Minister has intervened in the subject. 1 am also glad that he has, at length, told us how much ground had been covered. I can assure the House of one thing. It is that the general approach is to build on what has aready been built. It is not to negate everything. But if there are some issues which do need reconsideration, the former Home Minister will not grudge us for that...*(Interruptions)*

SHRI TR1LOKI NATH CHATUR-VEDI: You wanted to update it. If so, what arc the implications of updating as mentioned in your Common Minimum Programme?

SHRI I.K. GUJRAL: Mr. Chaturvedi, may I seek your indulgence? I am not dealing with the subject. I am only trying to fill the gap because my hon. colleague has gone to Bihar in connection with the riot which took place. Therefore, I can assure the House in generality that whatever my frined, the hon. former Home Minister, has said is something that we value and respect.

Target for Opening of Post and Telegraph offices in the Country

*102. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether any target has been fixed for opening of post and telegraph offices in the country, during 1996-97;

(b) if so, the details thereof, State-wise :

(c) if not, the reasons therefor; and

(d) the steps being taken by Government in this regard?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा (संचार मंत्री): (क) जी हां। देश में वर्ष 1996-97 के दौरान, 80 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर और 150 विभागीय उप डाकघर खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

तारघर खोलने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

(ख) डाकघरों के लिए लक्ष्य पोस्टल सर्किल-वार आवंटित किए जाते हैं और ब्यौरे संलग्न विवरण में दिए गए हैं **(नीचे देखिए)**

(ग) उपर्युक्त (क) को ध्यान में रखते हुए डाकघरों के संबंध में प्रश्न नहीं उठता।

तारघर खोलने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं है क्योंकि तार सेवा मांग होने और परियात की मात्रा पर आधारित औचित्य सिद्ध होने पर प्रदान की जाती हैं।

(घ) डाकघर खोलने के लिए लक्ष्य डाक सर्किलों को आवंटित कर दिए गए हैं।

विवरण

वार्षिक योजना, 1996-97 के अंतर्गत विभागीय उप डाकघर और अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर खोलने के लिए डाक सर्किल-वार लक्ष्य

क्रम सं॰	सर्किल का नाम	विभागीय उप डाकघर	अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर
1.	आन्ध्र प्रदेश	5	2
2.	असम	4	2
3.	बिहार	11	10
4.	दिल्ली	10	1
5.	गुजरात	12	5
6.	हरियाणा	10	4

क्रम सं॰	सर्किल का नाम	विभागीय उप डाकघर	अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर
7.	हिमाचल प्रदेश	10	4
8.	जम्मू एवं कश्मीर	2	2
9.	कर्नाटक	10	2
10.	केरल	9	1
11.	मध्य प्रदेश	9	9
12.	महाराष्ट्र	12	9
13.	उत्तर पूर्व	4	2
14.	उड़ीसा	4	4
15.	पंजाब	4	2
16.	राजस्थान	10	5
17.	तमिलनाडु	4	2
18.	उत्तर प्रदेश	16	12
19.	पश्चिम बंगाल	4	2
	कुल	150	80

टिप्पणीः उत्तर पूर्व डाक सर्किल के अंतर्गत मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड, मिजोरम और अरूणाचल प्रदेश राज्य आते हैं। इसी प्रकार, गोवा राज्य महाराष्ट्र के और सिक्किम राज्य पश्चिम बंगाल सर्किल के अंतर्गत आता है।

निम्नलिखित संघ शासित क्षेत्र उनके सामने दिए गए डाक सर्किलों के अंतर्गत आते हैं:

अंडमान एवं निकोबार	— पश्चिम बंगाल सर्किल
चंडीगढ़	— पंजाब सर्किल
दादर एवं नगर हवेली	— गुजरात सर्किल
दमण एवं दीव	— गुजरात सर्किल
लक्षद्वीप	— केरल सर्किल
पांडिचेरी	— तमिलनाडु सर्किल

श्री इकबाल सिंहः चेयरमैन सर, आदरणीय मंत्री जी अभी उत्तर दे रहे थे तो उस उत्तर में मैंने देखा कि जो इन्होंने टारगेट फिक्स किया है पोस्ट ऑफिस खोलने का, वह बहुत कम है। हमारे देश की 70 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है और इन्होंने जो उत्तर दिया है, उसमें जो इन्होंने टारगेट फिक्स किया है, वह बहुत कम है। टेलीग्राफ ऑफिस खोलने के लिए इन्होंने बिल्कुल मना कर दिया है कि कोई टेलीग्राफ ऑफिस नहीं खोल रहे हैं।

मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या देश के दूर-दराज के आदिवासी, जनजातीय इलाकों तथा पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में पोस्ट और टेलीग्राफ ऑफिस के नेटवर्क का विस्तार करने का, उनको माडेर्नाईज़ करने का और उनको नयी टेक्नोलोजी देने का कोई नेशनल ऐक्शन प्लान इन्होंने बनाया है? इस बारे में इनका टाईम बाऊंड प्रोग्राम क्या है जिससे देश के हर गांव में पोस्ट ऑफिस की व्यवस्था हो सके?

मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि पंजाब राज्य बॉर्डर में पड़ता है और यहां के लोग बाहर के राज्यों में काम कर रहे हैं। गांवों में जो लैटर्स और टेलीग्राम्स आदि आते हैं, वे बहुत देरी से आते हैं। माननीय मंत्री जी से मैं यह जानना चाहता हूं कि पोस्ट ऑफिस की संख्या सफिसिएंट नहीं है, यह बहुत कम है और इसके संख्या, कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए क्या कर रहे हैं?

श्री बेनी प्रसाद वर्माः श्रीमन्, आठवीं पंचवर्षीय योजना में 1440 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाक घर और 650 विभागीय उप डाकघर खोलने के लक्ष्य थे, उसमें अभी तक 1312 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर खोले जा चुके हैं और 335 विभागीय उप डाकघर खोले जा रहे हैं। श्रीमन्, इसका एक मानदण्ड होता है कि किस तरह से नए डाकघर खोले जाते हैं। सामान्य क्षेत्रों में 3000 की जनसंख्या और नजदीकी डाकघर से न्यूनतम तीन किलोमीटर दूरी और अनुमानित आय लागत का लगभग 33-1/3 प्रतिशत घाटा अगर

होता है तो वहां पर शाखा डाकघर खोल दिए जाते हैं और डाकघर खोलने के लिए जो जनसंख्या का अनुपात है, राज्यवार और देश का जो औसत है, उसको भी ध्यान में रखा जाता है।

श्री इकबाल सिंह: मंत्री जी का उत्तर सदन के सामने है कि जनसंख्या के अनुपात से उनको कितने पोस्ट ऑफिस खोलने है। लेकिन जो देश का चहंमुखी आर्थिक विकास हो रहा है और देश में इण्डस्ट्रिलाइजेशन को बढ़ावा दिया जाता है, कम्युनिकेशन के साधनों में बड़ी तेजी से परिवर्तन हुआ है और इस क्षेत्र में हमारे देश में काफी प्रोग्रेस भी हुई है। टेलीकम्यूनिकेशन, कम्युनिकेशन के क्षेत्र में प्राईवेटाइजेशन हुआ है और इसमें काफी विस्तार भी हो चुका है। तो मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार देश के विभिन्न राज्यों में पोस्ट एंड टेलीग्राफ के नेटवर्क का विस्तार जैसा कि विदेशों में है, कर रही है? इसी तरह क्या प्राईवेट सैक्टर को इंवाइट किया जा रहा है ताकि देश के गांवों को पोस्ट ऑफस, टेलीफोन फेक्स व पी०सी०ओ० की फेसिलिटी उपलब्ध कराई जाएं? तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि प्राईवेटाइजेशन को इंवाइट करके और देश के गांवों की उन्नति करने के लिए कम्युनिकेशन के विस्तार में यह जारी करेंगे?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमन्, प्राईवेट पी०सी०ओ० तो अब भी चल रहे हैं।

श्री इकबाल सिंह: मैं गांव की बात कर रहा हूं, लोगों की बात कर रहा हूं जो गांवों में रहते हैं, उनकी बात कर रहा हूं। मैं कार्पोरेशन की बात नहीं कर रहा हूं।

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: जो कस्बे हैं वहां पर पी०सी०ओ० चल रहे हैं।

श्री इकबाल सिंह: मैं गांवों की बात कर रहा हूं, बोर्डर एरिया की बात कर रहा हूं। जनजातीय, पिछड़े वर्ग के लोगों की बात कर रहा हूं।

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमन्, यह सवाल मुख्य रूप से डाकघर के बारे में है।

श्री इकबाल सिंह: अगर गांवों में डाकघर खोले जाएंगे तो वहां का क्षेत्र विकसित होगा।

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: पिछड़े क्षेत्रों में सामान्य मानदण्डों को शिथिल भी किया गया है। पहाड़ी क्षेत्रों और डेजर्ट एरिया में, इसके अलावा और भी जो इस तरह के क्षेत्र हैं, रेगिस्तानी और दुर्गम क्षेत्रों में शाखा डाकघर खोलने के मानदण्ड जो तीन हजार की जनसंख्या हमने बताई थी वह गांवों के एक समह की संख्या एक हजार माना जाता है और वहां प्रत्याशित आय लागत का 15 प्रतिशत किया गया है। वहां के लिए पहले नियमों में शिथिलता है और गांवों में प्राईवेट सैक्टर के पी०सी०ओ० खोलने की जो बात आप कर रहे हैं, अगर वहां वॉयबिलिटी होगी तथा जो पी०सी०ओ० खोलेगा उसको भी कुछ आमदनी होगी या नहीं, इसको भी ध्यान में रखा जाएगा।

श्री इकबाल सिंह: मैं पोस्ट आफिस की बात कर रहा हूं कि पोस्ट आफिसेज में पी०सी०ओ० लगाया जाए। जो बोर्डर एरिया हैं वहां पर इसके लिए लोगों को कहां-कहां दूर तक जाना पड़ता है। टेरेरिस्ट अफेक्टेड पंजाब रहा है। जम्मू कश्मीर में टेरेरिज्म है। ...(व्यवधान)

श्री सभापति: प्लीज सिट डाउन।

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमन्, पोस्ट एंड टेलीग्राफ ऑफिसेज कम्बाइंड ग्रामीण क्षेत्रों में भी हैं और वह काम कर रहे हैं।

एक सम्मानित सदस्य: बहुत अच्छा हुआ जो काम कर रहे हैं।

श्री इकबाल सिंह: मंत्री जी, यह उत्तर नहीं दे पाए। ...(व्यवधान)

श्री सतीश अग्रवाल: उत्तर दे पाए या नहीं दे पाए प्रमोशन तो हो ही गया।

SHRI PRAKASH YASHWANT AMBEDKAR: Mr. Chairman, Sir, in the remote villages the Posts and Telegraph Department cannot open its office. therefore, there was a scheme under which they had selected one person to whom the work of post office was given. This scheme was on commission basis. This scheme was prevalent where the population of a village was less than one thousand. In some places this scheme was discontinued and in some places it was not renewed. Part (a) of my question is whether the Minister is going to reconsider or revive the old system that was there, which was useful for the remote villages and also villages whose population was less then one thousand.

Part (b) of my question is this. They have now introduced a new system of carrying mail. Formerly, the mail was deposited at each station by the RMS.

Now they have started depositing the mail either at the district headquarters or at the State headquarters and then they distribute it back to the districts wherever the mail has to be delivered. this has delayed the delivery of letters and other postal articles. As a result of that, private carriers are now operating for these purposes. May I know from the Minister whether he is going to look into both these aspects?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: माननीय प्रकाश अम्बेडकर जी शायद संचार सेवा योजना के बारे में कह रहे हैं जिसमें मैट्रिक योग्यता जिनकी होती है उनको तीन सौ रुपए तक डाकसामग्री, जिन गांवों में पोस्ट ऑफिस नहीं हैं, वहां पर लोगों को उपलब्ध कराई जाती है। यह योजना खत्म नहीं की गई है, यह योजना चल रही है और गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में आठवीं योजना में इस तरह के 497 केन्द्र खोले गए हैं।

श्रीमन्, जो इन्होंने दूसरी बात कही कि राजधानी में भेज दिए जाते हैं और उसके बाद पोस्टल सर्विसेज में विलम्ब होता है, तो इन सब चीज़ों को ठीक करने के लिए हमने 100 डेज़ में एक 10 प्वाईंट ऐक्शन प्लान तैयार किया है उसको ऐचीव करने के लिए और हमें उम्मीद है कि उससे काफी सुधार आएगा और उसमें जो आपकी शिकायत है, वह दूर हो जाएगी।

श्रीमन्, हमारे बी०जे०पी० के मित्र जो कह रहे थे कि उत्तर हम नहीं दे पा रहे हैं तो उत्तर * वहां हम देंगे। ...(व्यवधान)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: यह क्या बात हुई? यह क्या बात है? अगर मंत्री का यही रवैया है तो ...(व्यवधान)... यह क्या बात है? ...(व्यवधान)... यह तो सीधी सी * है। यह * की बात है। ...(व्यवधान)...

SHRI K. R. MALKANI: What is this? What he is talking about? This is objectionable. It is an insult to the House.

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: यह कहना कि उत्तर नहीं दे पा रहे हैं, यह शराफत की बात है? ...(व्यवधान)... यह कहना कि उत्तर नहीं दे पा रहे हैं, यह क्या है? ...(व्यवधान)... आप सवाल पूछते, सवाल के बाद सवाल पूछते, हम उसका जवाब देते और ये अब असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं श्रीमन् ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Let us forget it ...*(Interruptions)*...

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: हम हर तरह से जवाब देने के लिए तैयार हैं। ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Let us forget it ...*(Interruptions)*...

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: आप डराने की कोशिश कर रहे हैं? ...(व्यवधान)... हम आपसे हर तरह से निपटने में सक्षम हैं। ...(व्यवधान)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: यह क्या कर रहे हैं आप? ...(व्यवधान)... सवाल डाकघर के बारे में पूछा है और आप उत्तर देंगे बी०जे०पी० को? ...(व्यवधान)...

श्री सिकन्दर बख्त: बहुत नरमी से जवाब देना चाहिए ...(व्यवधान)... यह क्या बात है? ...(व्यवधान)...

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Sir, this Minister has been going around in Uttar Pradesh and threatening the officials. Now he has challenged and threatened the Members of this House ...*(Interruptions)*... Sir, we seek your protection. ...*(Interruptions)*...

श्री रामदास अग्रवाल: मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि अपने सदस्यों को थोड़ा नियंत्रित करें। जो कमेंट उन्होंने दिया था ...(व्यवधान)... it was not proper. ...*(Interruptions)*...

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Even today's papers carried. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please put your question.

श्री रामदास अग्रवाल: इस तरह का व्यवहार नहीं चल सकता।...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Raghavji, please put your question. *(Interruptions)*

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: आप यह कैसे कह सकते हैं? ...(व्यवधान)... ऐसे नहीं चल सकता है।

SHRI SATISH AGARWAL: This should not go on record. *(Interruptions)* The English translation is,*

*Expunged as ordered by the Chair.

(Interruptions) What is this? *(Interruptions)*

MR CHAIRMAN: I will take it off the record. *(Interruptions)*

जल संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): हम लोगों को भी प्रोटैक्शन की जरूरत पड़ रही है। विपक्ष के एक मैम्बर ने जिस तरह के असंसदीय शब्द का इस्तेमाल किया है, आप आदेश दीजिए कि उसका इस्तेमाल होना चाहिए कि नहीं। *शब्द का इस्तेमाल उन्होंने किया है।...(व्यवधान)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: बाद में किया है। पहले नहीं किया है।...(व्यवधान)...

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-VEDI: Sir, we seek protection from the Chair. *(Interruptions)*

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: मैंने किसी असंसदीय शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। श्रीमन् आप कार्यवाही कीजिए। हमने किसी भी असंसदीय भाषा का प्रयोग नहीं किया। इन्होंने कहा कि मंत्री उत्तर नहीं दे रहे हैं। उसके लिए हमने कहा था ...(व्यवधान)

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-VEDI: What happened is the result of what he had said. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Let the Minister explain. *(Interruptions)* Let him explain. *(Interruptions)* Let me hear his explanation. *(Interruptions)* I want to hear the Minister. *(Interruptions)* Please, I want to listen to him. *(Interruptions)*

SHRI N1LOTPAL BASU: Let them sit down. *(Interruptions)*

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: आपकी आज्ञा भी ये लोग मान रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री जनेश्वर मिश्र: वह शब्द बिल्कुल इस्तेमाल इन्होंने किया, उसके बारे में बताइए। ...(व्यवधान)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: मैंने पहले नहीं कहा। बाद में कहा। आप वापिस लीजिए, जो आपने कहा। (व्यवधान)... यह बिल्कुल गलत बात है। ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: I want to listen to the Minister's explanation. Mr. Minister, please explain. *(Interruptions)*

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमन् हम जब पहले अनुपूरक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे तो बी०जे०पी० की बैंचिज से यह टिप्पणी की गयी कि मंत्री जी उत्तर नहीं दे पा रहे हैं और *शब्द का इस्तेमाल उनकी तरफ से किया गया। ...(व्यवधान)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: हमने उस समय नहीं कहा। बाद में कहा। ...(व्यवधान)...

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: हम अपनी बात पूरी कर लें। उसके बाद आप कहिएगा। ...(व्यवधान)...

श्री रामदास अग्रवाल: यह बिल्कुल गलत बात है। ...(व्यवधान)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: मैंने उस समय नहीं कहा। ...(व्यवधान)... आप अपनी बात वापिस लीजिए।

MR. CHAIRMAN: The leader of the House is speaking...*(Interruptions)*

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI l.K. GUJRAL): May I appeal to the Leader of the Opposition and my fellow-Members? I think, we have, over the years, observed a great deal of decorum for each other. We have the highest respect for the Opposition. They can put any question they wish. Let us, from all sides, restrain ourselves while putting questions and giving replies. Thank you.

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-VEDI: Sir, this is *again....(Interruptions)* The Leader of the House, for whom I have the highest respect, has not gone to the root-cause of this fracas and rumpus that took place and why later on harsh words were used. *(Interruptions)* It is unparliamentary. He said,

Is this the language to be used? *(Interruptions)*

Is this the language to be used in the House? *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Let the Leader of the House speak. *(Interruptions)*

SHRI l.K. GUJRAL: We leave it to your judgment, Sir. *(Interrutpions)* From both sides there are complaints. May I request you, Sir, that if some unparliamentary words have been used, from both the sides, they should be deleted?

MR. CHAIRMAN: I agree with the Leader of the House. *(Interruptions)*

*Expunged as ordered by the Chair.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): लीडर आफ दा हाउस ने जो कुछ कहा है, मैं उसका भरपूर रसपॉन्स करना चाहता हूं और मैं चाहता हूं कि राज्य सभा को नामुनासिब अलफ़ाज के इस्तेमाल से रेसक्यू करना चाहिए। हम कहां जा रहे है और अपने ताल्लुकात को कहां तक गिरा देना चाहते हैं? अगर मेरी तरफ से कोई गलती हुई है तो मैं माफी चाहता हूं लेकिन मेहरबानी से मिनिस्टर साहिबान की खिदमत में अर्ज़ करना चाहता हूं कि आपकी जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। आप सरकार चला रहे हैं, आप किसी किस्म के टर्स अलफ़ाज को मेहरबानी करके इस्तेमाल न करिए। मैं अपनी तरफ के लोगों से भी दरख्वास्त करता हूं कि आपको टर्स रिमार्क्स की जरूरत नहीं है लेकिन आप मिनिस्टर हैं। मैं, सदर साहब, थोड़ी देर पहले दरख्वास्त करने वाला था, जिन्होंने सवाल उठाया था कि मिनिस्टर नये हैं और आप उन पर थोड़ा सा रहम कीजिए क्योंकि नये आये हैं। अगर वह जवाब नहीं दे सकते हैं, तो it is all right. Give them a chance to know their subjects. लेकिन to go down to this sort of a thing ये चेलेन्ज बार-बार मत कीजिए। राज्य सभा अखाड़ा नहीं है।

†श्री सिकन्दर बख्त: लीडर आफ दा हाउस ने जो कुछ कहा है- मैं उसका भरपूर रिसपांस करना चाहता हूं मैं चाहता हूं कि राज्य सभा को नामुनासिब अलफ़ाज के इस्तेमाल से रेसक्यू करना चाहिए। हम कहां जा रहे हैं और अपने ताल्लुकात को कहां तक गिरा देना चाहते हैं? अगर मेरी तरफ से कोई गलती हुई है तो मैं माफी चाहता हूं लेकिन मेहरबानी से मिनिस्टर साहिबान की खिदमत में अर्ज़ करना चाहता हूं कि आपकी जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। आप सरकार चला रहे हैं, आप किसी किस्म के टर्स अलफ़ाज को मेहरबानी करके इस्तेमाल न करिए। मैं अपनी तरफ के लोगों से भी दरख्वास्त करता हूं कि आपको टर्स रिमार्क्स की जरूरत नहीं है लेकिन आप मिनिस्टर हैं। मैं, सदर साहब, थोड़ी देर पहले दरख्वास्त करने वाला था, जिन्होंने सवाल उठाया था कि मिनिस्टर नये हैं और आप उन पर थोड़ा सा रहम कीजिए क्योंकि नये आये हैं। अगर वह जवाब नहीं दे सकते हैं, तो it is all right. Give them a chance. to know their subjects. ...to go down to this sort of a thing.

MR. CHAIRMAN: I thank the Leader of the Opposition for making this clarification. I would examine the records and if there is any unparliamentary word on either side, I will have it deleted.

Now, Shri Raghavji.

श्री राघवजी: सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में यह कहा है कि जो नये सब-पोस्ट आफिस खोले जायेंगे, उसके लिए कुछ नियम बनाये गये हैं और जो पिछड़े इलाके हैं, पहाड़ी इलाके हैं, वनवासी इलाके हैं, उनके लिए नियम शिथिल किये जायेंगे। मध्य प्रदेश एक ऐसा प्रदेश है जहां पर वनवासियों की संख्या सर्वाधिक है और इस नाते से नियमों में शिथिलता लेने का पात्र भी है। लेकिन जो संख्या 96-97 की दी गई है उसमें केवल 9 पोस्ट आफिस खोले जाने की बात है। जब कि हरियाणा में और दिल्ली में 10 और उससे अधिक है तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के जो वर्ष निकल चुके हैं, उनमें कितने मध्य प्रदेश में सब-पोस्ट आफिस खोले गये हैं और यह संख्या केवल 9 क्यों है, जबकि सर्वाधिक आदिवासी मध्य प्रदेश में हैं?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमन्, मध्य प्रदेश में विभागीय उप-डाकघर खोलने का लक्ष्य 9 है और विभागीय उप-शाखा/डाकघर खोलने का लक्ष्य भी 9 है। श्रीमन्, मध्य प्रदेश में जो डाकघर खोले गये हैं, उनकी

सूचना तो हमारे पास नहीं है। लेकिन हमने पहले कहा है कि एरिया और पापुलेशन का जो मापदण्ड है उसी हिसाब से योजना में राज्य-वार आबंटित किये जाते हैं। अब उसमें किसी प्रकार की कमी होगी, चूंकि हमारे पास मध्य प्रदेश की सूचना नहीं है, तो हम उसको दूर कर देंगे।

श्री राधाकिशन मालवीय: माननीय सभापति महोदय, राघवजी ने जो प्रश्न किया है उसी से संबंधित मेरा प्रश्न है। इन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में विभागीय उप-डाकघर खोलने का लक्ष्य 9 है और विभागीय उप-शाखा डाकघर खोलने का लक्ष्य 9 है। फिर मंत्री जी ने जवाब दिया कि क्षेत्रफल और पापुलेशन के आधार पर हम पोस्ट आफिस और सब-पोस्ट आफिस खोलते हैं। सवाल यहां पर यह पैदा होता है कि ठीक उसके नीचे दसवें स्थान पर केरल स्टेट है, वहां पर 9 खुले हैं, जो मंत्री जी ने जवाब दिया उस पर मैं बोल रहा हूं। हमारे मध्य प्रदेश का जो बस्तर डिस्ट्रिक्ट है वह केरल स्टेट से बड़ा है, हरियाणा स्टेट से हमारा बस्तर जिला बड़ा है तो मेरा माननीय मंत्री जी से यह अनुरोध है कि क्या आठवीं पंचवर्षीय योजना में लक्ष्य के आधार पर पोस्ट आफिस खोलने जा रहे हैं और पापुलेशन और क्षेत्रफल के आधार के ऊपर डाकघर खोलने जा रहे हैं? मैं मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि क्या ग्राम पंचायत वाइज कोई सर्वे करवाया है कि कितनी जनसंख्या वहां पर है? इन्होंने जवाब दिया कि हम तीन किलोमीटर की रेंज में पोस्ट आफिस खोलेंगे तो क्या इन्होंने तीन किलोमीटर की रेंज के एरिये का सर्वे करवाया है, क्या नेटवर्क बनाया है यदि नहीं तो क्या नेटवर्क बनाने जा रहे हैं? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या मध्य प्रदेश में 9 का टारगेट है?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमन् जब जनसंख्या की गणना होती है, उसके आंकड़ों के आधार पर ये नये डाकघर खोलने का निर्णय लिया जाता है। अभी जो डाकघर खोलने का औसत है उस हिसाब से हमारे कुछ प्रान्त सम्भवतः बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश पीछे हैं। हम कोशिश करेंगे कि इन प्रान्तों को वरीयता दी जाये। आठवीं योजना समाप्त हो रही है। इस कार्य को अगली योजना में शुरू करने का प्रयास किया जा सकता है।

Pending Applications in Hyderabad Passport Office

*103. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of passport applications pending with the Regional Passport Office, Hyderabad as on date;

(b) whether it is a fact that proper attention is not being given to out-station applications; and

(c) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I.K. GUJRAL): (a) to (c) A Statement is laid on the table of the House.

Statement

"Pending Applications in Hyderabad Passport Office

(a) The total number of passport applications pending with the Regional Passport Office, Hyderabad as on 12.7.1996 is 9,462.

(b) There is no discrimination against outstation applicants as the applications are processed through computers on first come first served basis. On the contrary, special consideration is given to outstation applicants to meet the Passport Officer directly to get their problems solved.

(c) Does not arise.

**104. [The Questioners (Shri Ragubhai A Parmar and Shri Gopalsingh G. Sol-anki) were absent. For answer, vide col.32 infra]*

Fake Passport Racket in Delhi

*105. SHRIMATI VEENA VERMA: SHRI SUSHIL KUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether a racket involving issue of fake passport and visas was busted in Delhi in May, 1996; and

(b) if so, the details of the persons apprehended and the *modus operandi* of the racket?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I.K. GUJRAL): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.